This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7414**

Unique Paper Code : **62051312** **IC**

Name of the Paper : **Hindi A**

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi : CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×7.5=15

(क) आद्रा नक्षत्र; आकाश में काले-काले बादलों की घुमड़, जिसमें देव-दुन्दुभी का गंभीर घोष। प्राची के एक निरभ्र कोने से स्वर्ण-पुरुष झाँकने लगा था—देखने लगा महाराज की सवारी। शैलमाला के अंचल में समतल उर्वरा-भूमि से सोंधी वास उठ रही थी। नगर-तोरण से जयघोष हुआ, भीड़ में गजराज का चामरधारी शुण्ड उन्नत दिखाई पड़ा। वह हर्ष और उत्साह का समुद्र हिलोरें भरता हुआ आगे बढ़ने लगा।

अथवा

सफलता और चरितार्थता में अन्तर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडम्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता

P.T.O.

Scanned by CamScanner

प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अन्ध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्व-निर्धारित, आत्म-बन्धन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है।

(ख) अँधेर नगरी अनबूझ राजा।
टका सेर भाजी टका सेर खाजा।।
नीच ऊँच सब एकहि ऐसे।
जैसे भँडुए पंडित तैसे।।
कुल-मरजाद न मान बड़ाई।
सबै एक से लोग-लुगाई।।
जात-पाँत पूछै नहिं कोई।
हरि को भजै सो हरि का होई।।
वेश्या जोरू एक समाना।
बकरी गऊ एक करि जाना।
साँचे मारे मारे डोलैं।

अथवा

तुम नेता होने जा रहे हो या कोई मजाक है? जानते नहीं, नेता लोग कभी अपने परिवार के बारे में नहीं सोचते; वे देश के, सम्पूर्ण राष्ट्र के बारे में सोचते हैं। तुम्हें मेरे आदेश के अनुसार चलना होगा। जानते हो, मैं तुम्हारी स्रष्टा हूँ, तुम्हारी विधाता।

Scanned by CamScanner

2. उपन्यास की विकास–यात्रा पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

निबन्ध के विकास को स्पष्ट कीजिए।

3. 'मलबे का मालिक' कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

मधूलिका का चरित्र–चित्रण कीजिए।

4. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

निबंध के तत्वों के आधार पर 'उत्साह' निबंध की समीक्षा कीजिए।

5. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अँधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'घीसा' पाठ का सार लिखिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 12

(क) भारतेन्दुयुगीन गद्य साहित्य की विशेषताएँ

(ख) नई कहानी।

Scanned by CamScanner